खास-खबरें

शाश्वत शर्मा को प्लेटिनम ऑफ़ द ईयर के साथ क्लब एक्सीलेंस अवॉर्ड मिला

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशाः उज्जैन में संपन्न डिस्ट्रिक्ट आवार्ड सेरेमनी में लायंस क्लब विदिशा मेन के अध्यक्ष शाश्वत शर्मा को प्लेटिनम ऑफ़ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रवीण वशिष्ठ द्वारा 2025-26 के अवार्ड प्रदान किए गए, जिनमें सर्वश्रेष्ठ क्लब अध्यक्ष के अवार्ड से अध्यक्ष विदिशा लायन मेन शाश्वत शर्मा को सम्मानित किया गया। साथ ही विदिशा मेन क्लब को एक्सीलेंस अवॉर्ड के साथ सबसे अधिक 11 अवॉर्ड प्राप्त हुए। उज्जैन में स्थित एम आई टी यूनिवर्सिटी के टाउन हॉल में दर्शकों एवं लायंस मेंबर्स से खचाखच भरे सभागृह में लायंस क्लब विदिशा को 'सर्वाधिक अवॉर्ड प्राप्त हुए। अध्यक्ष शाश्वत शर्मा एवं उनकी टीम के द्वारा साल भर जो अथक मेहनत एवं सेवा कार्य किए गए थे उसके परिणाम स्वरूप क्लब को एक्सीलेंस अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ। सर्वाधिक अवार्ड प्राप्त होने पर लायंस क्लब विदिशा को सभी साथियों के द्वारा बधाइयां दी जा रही है।

तेज बहाव में बहा युवक, दो युवकों ने जान जोखिम में डालकर बचाई जिंदगी

नईदुनिया, प्रतिनिधि, भैरूंदाः रविवार रात करीब 8 बजे हाथीघाट स्थित अंबाड़ नदी के रपटे पर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सीहोर नाका, भैरूंदा निवासी सुरेश सोनी चकल्दी से काम कर वापस भैरूंदा लौट रहे थे। इस दौरान अंबाड़ नदी के रपटे पर बारिश के कारण पानी का तेज बहाव था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने सुरेश सोनी को रपटे पर पानी होने के कारण आगे नहीं जाने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए अपनी बाइक पानी में उतार दी। तेज बहाव के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वे बाइक सहित नदी के पानी में बहने लगे। देखते ही देखते उनकी जान पर बन आई। इसी दौरान मौके पर मौजूद महेश कुशवाह और रूपेश कुशवाह ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना उफनती नदी में छलांग लगा दी। दोनों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरेश सोनी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

सावन की दूसरी सवारी में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुमा पर सवार मनमहेश ने दिए दर्शन

नईदुनिया, प्रतिनिधि, उज्जैनः श्रावण मास के दूसरे सोमवार को उज्जैन में बाबा महाकाल की भव्य सवारी निकली। सुबह भस्म आरती में पंचामृत स्नान और भस्म-चंदन से बाबा का मनोहारी श्रृंगार किया गया। देशभर से आए श्रद्धालुओं ने दिव्य दर्शन किए। मंदिर प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए चलित दर्शन और विशेष बैरिकेडिंग की व्यवस्था की। शाम को महाकाल मंदिर से निकली दूसरी सवारी में बाबा महाकाल ने पालकी में चंद्रमौलेश्वर और हाथी पर मनमहेश स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर के मुख्य द्वार पर पुलिस बैंड और जवानों ने बाबा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। करीब आठ किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और जयकारों से शहर गूंजता रहा। इस बार सवारी में पारंपरिक हाथी श्यामू की जगह 65 वर्षीय प्रशिक्षित मादा हाथी सुमा को शामिल किया गया। पैरों की बीमारी से जूझ रहे श्यामू को पशु चिकित्सकों ने भीड़ और सुरक्षा की दृष्टि से सवारी में शामिल नहीं करने की सलाह दी थी। वन विभाग और चिकित्सकीय टीम की जांच के बाद सुमा को सवारी के लिए उपयुक्त पाया गया। सवारी में लोक नृत्यों की थीम आकर्षण का केंद्र रही। झाबुआ के कलाकारों ने भगोरिया नृत्य प्रस्तुत किया। रिमझिम बारिश के बीच करीब 50 नृत्यांगनाओं ने मंदिर परिसर में नृत्यांजलि भी दी। सवारी रामघाट पहुंची, जहां क्षिप्रा तट पर भगवान का वैदिक पूजन और अभिषेक किया गया। मंदिर समिति के फेसबुक पेज और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने सवारी के दर्शन किए।

सीवन-सीटू नाले उफान पर आएःश्यामपुर में रास्ते-मकान जलमग्न

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जिले में रविवार रात 12 बजे से लगातार तेज बारिश जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। तेज बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। सीवन नदी चद्दर पुल के ऊपर से बह रही है, वहीं सीटू नाला भी मछली पुल पर पुल के ऊपर है।

बारिश के कारण विद्युत वितरण कंपनी का जोन टू कार्यालय और 33 केवी सब स्टेशन परिसर जलमग्न हो गया। स्टेशन रोड पर स्थित मां मनसा देवी मंदिर के अंदर भी पानी घुस गया।

जिले में कई प्रमुख रास्ते बंद हो गए हैं। श्यामपुर में बस स्टैंड का रास्ता बंद है, जबकि दोराहा जोड़ से सीहोर मंडी मार्ग भी अवरुद्ध है। चरनाल-हिंगोनी मार्ग, श्यामपुर-घाटपलासी मार्ग और बरखेड़ा हसन-नाई हेड़ी मार्ग भी बंद हो गए हैं। अहमदपुर मार्ग भी यातायात के लिए बंद रहा।

श्यामपुर के गांवों में मकानों में पानी भराः श्यामपुर, चरनाल, झरखेड़ा और छतरी गांवों में कई मकानों में पानी भर गया है। छापरीदोराहा और वानखेड़ा में दो कच्चे मकानों के मामूली रूप से गिरने की सूचना मिली है। खंडवा ग्राम में भी कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

भू-अभिलेख विभाग द्वारा 10 अगस्त को जारी आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटों के भीतर जिले में औसतन 3.96 इंच बारिश दर्ज की गई। इस दौरान श्यामपुर तहसील में सर्वाधिक 8.27 इंच बारिश हुई, जबकि जिला मुख्यालय सीहोर में 6.69 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। अन्य तहसीलों में रेहटी में 4.67 इंच, बुधनी में 4.09 इंच, भैरूंदा में 3.23 इंच, इच्छावर में 3.03 इंच, आष्टा में 1.38 इंच और जावर में 0.35 इंच बारिश दर्ज की गई।

रेहटी में सबसे ज्यादा बारिश

सीजन में अब तक जिले की कुल औसत बारिश 24.33 इंच तक पहुंच गई है, जबकि पूरे मानसून सीजन की सामान्य औसत वर्षा 45.21 इंच मानी जाती है। कुल बारिश के आंकड़ों में रेहटी तहसील 27.59 इंच के साथ जिले में सबसे आगे है। सीहोर में 25.98 इंच, बुधनी में 25.28 इंच, आष्टा में 24.49 इंच, भैरूंदा में 24.13 इंच, इच्छावर में 23.74 इंच और श्यामपुर में 23.36 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जावर तहसील में अब तक 20.04 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है।

अगले 48 घंटे अति भारी वर्षा की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, मध्य प्रदेश के मध्य और उत्तरी हिस्सों के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र और ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा बेहद सक्रिय है। इसके साथ ही मानसूनी द्रोणिका सीहोर और आसपास के जिलों से होकर गुजर रही है, जिससे बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों तरफ से भरपूर नमी मिल रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 से 48 घंटों के दौरान जिले में भारी से अति भारी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है, जिसे लेकर प्रशासन सतर्क है ।

जलभराव वाले रपटों और पुलों पर आवाजाही बंद, प्रशासन अलर्ट

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरुंदाः लगातार बारिश के कारण जिले में नदी-नाले उफान पर हैं और कई स्थानों पर पुल, पुलिया और रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है। जलभराव के चलते कई गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है। खेतों में पानी भरने से फसलों को भी नुकसान की आशंका है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने संवेदनशील स्थानों पर आवाजाही पूरी तरह बंद कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

सीहोर कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, नगर पालिका सीएमओ और संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। जलभराव वाले स्थानों पर तत्काल बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगाने के साथ जरूरत के अनुसार पुलिस बल और कोटवारों की तैनाती करने को कहा गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भैरुंदा में बढ़ाई निगरानीः एसडीएम सुधीर कुशवाह के मार्गदर्शन में तहसील क्षेत्र के सभी संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। रपटों और पुल-पुलियों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। लोगों की आवाजाही रोकने के लिए कोटवारों की तैनाती भी की गई है।

लोक निर्माण विभाग को 24 घंटे निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पीडब्ल्यूडी के एसडीओ एमके तिवारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनकी टीम जलभराव वाले सभी स्थानों की लगातार निगरानी कर रही है।

इन मार्गों पर प्रतिबंधः जलभराव के कारण हाथीघाट-कोटरा, छिदगांव काछी के पास कोलार नदी पुल, इमलाड़ा-पाडलिया, तिलाडिया-झागर, ससली-बापचा, नीलकंठ-मंडी, पॉडागांव-छीपानेर और वासुदेव-डोभा मार्ग पर आवाजाही बंद की गई है।

कलेक्टर ने लोगों से नदी, नाले, तालाब, डेम और वॉटरफॉल के आसपास जाने से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पानी के तेज बहाव के दौरान रपट या पुल पार करने का प्रयास न करें और बच्चों को भी ऐसे स्थानों से दूर रखें। प्रशासन ने बारिश के दौरान अनावश्यक पिकनिक या पर्यटन के लिए जोखिम वाले स्थानों पर जाने से भी बचने की सलाह दी है। अधिकारियों को 24 घंटे हालात पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

भारी बारिश से शाजापुर बेहाल, आठ घंटे में छह इंच वर्षा, कई जगह घुसा पानी

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुरः मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। रविवार और सोमवार को हुई वर्षा ने जहां लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे लोगों को राहत दी, वहीं शाजापुर जिले में यह बारिश आफत बनकर सामने आई। सोमवार को जिलेभर में हुई मूसलाधार वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। जानकारी के अनुसार, महज आठ घंटे के दौरान छह इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। भारी वर्षा के चलते शहर के निचले इलाकों, प्रमुख मार्गों और कई शासकीय परिसरों में जलभराव हो गया। सुबह करीब आठ बजे भाजपा कार्यालय के सामने स्थित नाला उफान पर आ गया, जिससे मुख्य मार्ग पर तेज बहाव शुरू हो गया और आवागमन प्रभावित हो गया। राधा पेट्रोल पंप के समीप शहरी राजमार्ग पर भी भारी जलभराव की स्थिति बनी रही। सड़क पर

पानी भर जाने से वाहन चालकों को आवाजाही में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

वर्षा का सबसे अधिक असर दूधाना स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पर देखने को मिला। सुबह लगभग 10 बजे केंद्र परिसर में पानी घुस गया, जिससे वहां रखे चिकित्सा उपकरण, मशीनें तथा महत्वपूर्ण अभिलेख जलमग्न हो गए। ग्राम पंचायत दूधाना के सरपंच राकेश जायसवाल ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उसे ध्वस्त करने का प्रस्ताव पूर्व में भेजा जा चुका था, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने से यह स्थिति निर्मित हुई। मोहन बड़ोदिया क्षेत्र की पड़ाव कॉलोनी में भी हालात गंभीर रहे। नलखेड़ा मार्ग पर समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण वर्षा का पानी कई घरों और दुकानों में घुस गया। अनेक परिवारों को घरों के भीतर ऊंचे स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। स्थानीय लोगों ने जल निकासी व्यवस्था को लेकर प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है। मौसम वैज्ञानिक सत्येंद्र धनोतिया के अनुसार जिले में 14 अगस्त तक रुक-रुक कर तेज वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। कलेक्टोरेट की वर्षा रिपोर्ट के मुताबिक जिले में अब तक औसतन 16.40 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

तिरंगे के रंग में रंगा रायसेन, भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को रायसेन नगर में वृहद तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार की अगुवाई में निकली यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे लगाते हुए लोगों ने शहर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

तिरंगा यात्रा पुलिस लाइन से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए महामाया चौक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा में स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा और कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक भी यात्रा में शामिल रहे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री पंवार ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारत की आन, बान और शान है। यह देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाने और घरों, प्रतिष्ठानों व संस्थानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की।

संकट में देवदूत बनी एसडीईआरएफ-होमगार्ड टीम, सूचना मिलते ही वामनखेड़ा में मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम

15 लोगों का किया रेस्क्यू, 2 महिलाओं, 7 पुरुषों और 6 बच्चों को सुरक्षित निकाला

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीम ने ग्राम वामनखेड़ा में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें 2 महिलाएं, 7 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। सूचना मिलते ही टीम ने बिना देर किए मौके पर पहुंचकर परिस्थितियों का जायजा लिया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया।

जिला सेनानीञ्जडिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट होमगार्ड मयंक कुमार जैन के नेतृत्व में तथा प्लाटून कमाण्डर एवं एसडीईआरएफ-होमगार्ड टीम प्रभारी सुश्री रश्मि दुबे के निर्देशन में रेस्क्यू टीम ने यह कार्रवाई की। टीम चैकी खामखेड़ा अंतर्गत ग्राम वामनखेड़ा पहुंची, जहां प्रभावित क्षेत्र की स्थिति का आकलन करने के बाद सुरक्षित तरीके से लोगों को बाहर निकालने का अभियान शुरू किया

गया। रेस्क्यू के दौरान टीम के सदस्यों ने पूरी सावधानी और तत्परता के साथ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। अभियान में किसी भी प्रकार का जोखिम न लेते हुए सबसे पहले महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। टीम की मुस्तैदी के चलते कुल 15 लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सका।

आपदा अथवा संकट की परिस्थितियों में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। वामनखेड़ा में भी सूचना प्राप्त होते ही एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीम ने तत्काल कार्रवाई की और मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य शुरू किया। टीम की त्वरित प्रतिक्रिया से प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत मिली।

पथरिया में भी किया सफल रेस्क्यू

जिले में बारिश के चलते कई ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इसी क्रम में ग्राम पथरिया में जलभराव के कारण चार व्यक्ति और सात गौवंश फंस गए। सूचना मिलते ही होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ (एसडीई आरएफ) की टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया और सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू किए गए सभी व्यक्तियों एवं गौवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

त्योहारों एवं पर्वों का आयोजन परम्परागत रूप से एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से होगा

नईदुनिया प्रतिनिधि, मंदसौरः कलेक्टर दिव्यांक सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि आगामी सभी पर्व शांतिपूर्ण तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाएं जायेगे। त्यौहारों का आयोजन परम्परागत रूप से एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से होगा। बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पुलिस अधीक्षक श्री विनोद कुमार मीना, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, एएसपी श्री बघेल एवं शांति समिति के सदस्य, पत्रकार मौजूद थे।

बैठक के दौरान आगामी दिनों में आने वाले पर्वो हरियाली अमावस्या, तृतीय श्रावण सोमवार श्री पशुपतिनाथ पालकी, नांगपंचमी, अंतिम श्रावण सोमवार पशुपतिनाथ राजसी सवारी, ईद मिलाद उन नबी, रक्षा बंधन, श्रावण पूर्णिमा, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गोगा नवमी, रामदेव जयंति, डोल ग्यारस, अनंत

चतुर्दशी एवं गणेश विसर्जन आदि पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं पर सदस्यों से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने संबंधी विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। अंतिम श्रावण सोमवार, शाही सवारी, रक्षाबंधन, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गोगा नवमी, गणेश चतुर्थी, गणेश उत्सव, डोल ग्यारस, मिलाद उल नबी, अनंत चतुर्दशी इत्यादि पर्वों पर की जाने वाले शांति व्यवस्था पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पारंपरिक वाद्य यंत्र, ढोल इत्यादि का प्रयोग करना चाहिए।

डीजे का उपयोग करने से हमें बचना चाहिए। पारंपरिक रीति रिवाज को अपनाने में शासन की भी मदद ले सकते हैं। इसके साथ आयोजक मंडल नवीन व्यवस्थाओं एवं जहां पर ट्रैफिक की समस्या रहती है, वहां पर नवीन मार्गों को भी उपयोग कर सकते हैं।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग से आम जनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। आयोजन कर्ता आयोजन के दौरान वोलेंटियर नियुक्त करें। वोलेंटियर अधिक से अधिक व्यवस्था देखे इसके लिए उन्हें प्रेरित करें। शाही सवारी के दौरान सवारी सुचारू रूप से चले, जिससे समय पर मंदिर परिसर में सवारी पहुंच जाए। इसका विशेष तौर पर ध्यान रखें।

विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से की जाएगीपुलिस अधीक्षक श्री मीणा ने कहा कि सवारी के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा आवश्यक पॉइंट पर पुलिस जवान तैनात रहेंगे।

नवजात की मौत, एसएनसीयू में भर्ती था : परिजन शव लेने नहीं पहुंचे

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जिला अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती नवजात बच्ची की 24 जुलाई को इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद कई दिन बीतने के बावजूद परिजन शव लेने अस्पताल नहीं पहुंचे। सिविल सर्जन डॉ. यू. के. श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पताल की ओर से पुलिस के माध्यम से परिजनों को सूचना दी गई थी। अब मामले में कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. यू. के. श्रीवास्तव के मुताबिक, नवजात को 30 जून को गंभीर हालत में एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था। बच्ची का जन्म समय से पहले हुआ था। उसका वजन भी काफी कम था। डॉक्टरों की टीम लगातार उसका इलाज कर रही थी। अस्पताल के अनुसार, 20 जुलाई के बाद से परिजनों ने बच्ची से मिलना बंद कर दिया था। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस की मदद से उन्हें सूचना भी भेजी, लेकिन वे अस्पताल नहीं पहुंचे।

बासौदा में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा शहर

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः स्वतंत्रता दिवस की पूर्व वेला में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। शाम 5 बजे परेड ग्राउंड से शुरू हुई यात्रा में विधायक हरि सिंह रघुवंशी, पूर्व विधायक श्रीमती लीना जैन ,जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि यादव , एसडीएम एसडीओपी तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, -कर्मचारी, विद्यार्थी, एनसीसी-एनएसएस कैडेट्स और विभिन्न

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लिए लोगों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा परेड ग्राउंड से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए गांधी चौक पहुंची जहां यात्रा का समापन किया गया।

नहीं डिगी भक्तों की आस्था, बारिश के बीच भी 11 किलोमीटर का सफर तय

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः सावन के दूसरे सोमवार को बारिश की बौछारें भी शिवभक्तों की आस्था को नहीं डिगा सकीं। शहर के सीवन नदी तट से प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम तक करीब 11 किलोमीटर के मार्ग पर हजारों कांवड़ यात्री नंगे पैर और दंडवत करते हुए भगवान शिव के जयकारों के साथ आगे बढ़ते नजर आए। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह और भक्ति देखने को मिली। वहीं सावन के दूसरे सोमवार को दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने कुबेरेश्वरधाम पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक और पूजन-अर्चन किया।

मध्यप्रदेश इंफ्लुएंसर ने निकाली भव्य कांवड़ यात्राः सोमवार को दोपहर मध्यप्रदेश इंफ्लुएंसर के तत्वावधान में भी

भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में प्रदेश के लोकप्रिय सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यों से पहचान बनाने वाले लोग शामिल हुए। सीवन नदी से जल लेकर श्रद्धालु करीब 11 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए कुबेरेश्वरधाम पहुंचे। पूरे यात्रा मार्ग पर हर-हर महादेव और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं के जयकारे गूंजते रहे। बारिश के बावजूद कांवड़ यात्रियों के कदम नहीं रुके।

मात्र कुछ घंटों की बारिश से लबालब हुई सीवनः कांवड़ यात्रियों की आस्था के प्रमुख केंद्र सीवन नदी का जलस्तर पिछले दिनों कम हो गया था। देर रात हुई तेज बारिश के बाद कुछ ही घंटों में सीवन नदी लबालब हो गई। नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने सीवन नदी घाट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए। कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए सीवन नदी घाट से कुबेरेश्वरधाम तक कॉरिडोर, यातायात और अन्य व्यवस्थाएं भी की गईं।